Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

छह साल पूर्व लगे सीसीटीवी कैमरों में आधे से ज्यादा है खराब

असमाजिक घटनाओं पर तीसरी आंख कैसे लगा सकेगी अकुंश

सवाल

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में छह साल पूर्व लगाये गये सीसीटीवी कैमरों में आधे से अधिक कैमरे खराब पड़े हुए है। बता दें कि सीमांत जनपद में चार दर्जन कैमरे लगे हुए है। इनमें से कई वर्तमान में खासे खराब स्थिति में पड़े हुए है। खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों के मामले जिला प्रशासन की विभागीय बैठकों में उठ चुके है। जिले में अब तक आये कई जिलाधिकारी इस मामले पर संबधिंत थाना कोतवाली प्रभारी व संबधिंत महकमें को इस मामले पर कई बार निर्देश भी दे चुके है मगर यहां अब तक सीसीटीवी कैमरों की हालत नही सुधर नही पाई है। ऐसी हालत में सुरक्षा संबधी मामलों ,असमाजिक घटनाओं की जिले में होने वाली वारदातों पर तीसरी आंख नजर कैसे रख पायेगी यह सवाल आम जनमानस पूछ रहे है। सीमांत

जनपद पिथौरागढ़ की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये गये। कैमरे लगाये जाने को लेकर राज्य वित आयेग से स्वीकृति दी गई। सीमांत जनपद में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर किये गये इंतजाम वर्तमान में फेल साबित हो रहे है। सीमांत जनपद में पहले चरण में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रयास किया गया। लेकिन ये कवायद जनपद में रंग नही ला पाई है।

आलम यह है कि सीमांत जनपद की आबादी वर्तमान में खासा जोरों पर चल रही है। पांच लाख आबादी वाले सीमांत जनपद में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था में कोई दिक्कत न हो इसके मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम जोरशोर से किया गया। ये कैमरे छह साल बीत जाने के बाद अब तक ठीक नही हो सके। जिले में अब अराजक व अप्रिय घटनाओं पर अकुंश कैसे लग सकेगा यह सवाल अभी भी बरकरार है।

जिले में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने की मांग जिले के सामाजिक संगठन व सीनियिर सीटीजन लंबे समय से करते आरहे थे। वही लंबे जददोजहद व जन आदोलन के बाद जिले में सीसीटीवी कैमरे लगाने की पहल कीगई। लेकिन कही न कही अब ये जिले में लगे अधिकांस सीसीटीवी विगत सालों से खराब पडे हुए है। वही ऐसे में जिले के नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरे को ठीक कराने को लेकर पहल कब तक कर पायेगा यह सवाल अब जोर सोर से उठने लगे है। इस मामले पर पुलिस अधीक्षक सुखबीर सेकहा है कि संबधित कोतवाली प्रभारी व संबधित महकमें को जल्द जिले के तमाम जगहों पर खराब हो चुके कैमरों को ठीक कराये जाने को लेकर निर्देश दे दिये गये है। वही उसके लिए वे खुद जिम्मा संभालने को तैयार है। जिले के नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था करना उनकी प्राथमिकता है। कैमरों को जल्द सुधारा जायेगा।

न्यूज डायरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून की बूंदी देवी की तारीफ की

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जवला 2 की लांचिंग पर देहरादून के मोहबेवाला निवासी बूंदी देवी से आनलाइन संवाद किया। पीएम ने बूंदी से उज्जवला योजना के फायदों की जानकारी तो ली ही साथ ही पिता की सेवा करने पर उनकी पीठ भी थपथपाई। पीएम से बात कर बूंदी गदगद हैं। बूंदी मोहबेवाला में अपने भाई के घर पर पिता एवं भाई के दो बच्चों के साथ रहती हैं। उन्हें उज्जवला योजना का लाभ साल 2018 से मिल रहा है। मंगलवार को संवाद के दौरान पीएम ने बूंदी से सबसे पहले यही सवाल पूछा कि जब घर में गैस नहीं थी तब जीवन कैसा था और उज्जवला की वजह से क्या लाभ हुआ।

एचपी नए एन्वी पोर्टफोलियो के साथ ले आया जीवन में रचनात्मकता

संवाददाता देहरादून। एचपी ने आज मौजूदा कॉन्टेंट क्रिएटर्स की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए एन्वी पोर्टफोलियो को घोषणा की। नए पोर्टफोलियो में एन्वी 14 और एन्वी 15 नोटबुक्स शामिल हैं। दरअसल, क्रिएटिव प्रोफेशनल्स को ऐसे डिवाइस की जरूरत होती है जो उन्हें कहीं से भी कुछ क्रिएट करने की आजादी दे, शानदार डिजाइन के साथ उनकी रचनात्मकता को नई ताकत दे, और क्रिएटिव आउटपुट के अलग–अलग मोड का इस्तेमाल करते हुए उन्हें कोई परेशानी न हो, ऐसे में ये नए एन्वी नोटबुक उनकी इस जरूरत को पूरा करेंगे। एचपी की क्रिएटिव कंज्यूमर इनसाइट्स स्टडी के मुताबिक, पीसी इस्तेमाल करने वाले 74 फीसदी लोग, खास तौर पर युवा और जेनरेशन जेड के लोग कुछ क्रिएट करने को लेकर काफी गंभीर हैं।

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन से 8.79 लाख से ज्यादा लोगों को लाभ मिला

संवाददाता देहरादून। सामाजिक अभियानों के लिए एचडीएफसी बैंक के अम्ब्रेला कार्यक्रम, परिवर्तन ने 2020–21 में उत्तराखंड में 8.79 लाख लोगों को लाभान्वित किया है। बैंक ने 2 जिलों, हरिद्वार और अल्मोड़ा के 40 गांवों में पहुंचकर यह कार्यक्रम चलाया। परिवर्तन का उद्देश्य देश में आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े समूहों को मुख्य धारा में लाकर उनकी वृद्धि, विकास व सशक्तीकरण करना है। परिवर्तन के माध्यम से बैंक ने देश में 634.91 करोड़ रु. खर्च किए और यह 2020–21 में भारत में सीएसआर के लिए सर्वाधिक निवेश करने वाला संगठन बन गया। यह पिछले साल के मुकाबले 18.5 प्रतिशत ज्यादा था। उत्तराखंड में परिवर्तन के मुख्य आकर्षणः एचडीएफसी बैंक के ब्रांच बैंकिंग हेड, अखिलेश कुमार रॉय ने कहा, हम उन कार्यक्रमों की मदद करते हैं, जो समुदायों का उत्थान कर उनका विकास करें।

चेन स्नैचिंग की कोशिश और हवाई फायर करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता ऋषिकेश। कोतवाली ऋषिकेश की श्यामपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के मनसा देवी क्षेत्र में पांच दिन पहले दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग का असफल प्रयास करने वाले चार शातिर बदमाशों को दो देसी तमंचे, दो जिंदा कारतूस और दो चाकू के साथ एसओजी देहात व ऋषिकेश पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। चारों पर उत्तर प्रदेश में दर्जनों मुकदमे पंजीकृत हैं। दो आरोपित मुजफ्फरनगर के हिस्ट्रीशीटर हैं।

कोतवाली ऋषिकेश में मनसा देवी श्यामपुर निवासी सोनी भट्ट पत्नी गणेश भट्ट पांच अगस्त रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मनसा देवी गुमानीवाला क्षेत्र में एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात व्यक्ति पीछे से आए। उनमें से एक व्यक्ति ने उतर कर किसी का पता पूछा गया और इसी बीच दूसरा व्यक्ति मेरे गले से सोने की चेन खींचने लगा। जब महिला ने शोर मचाया तो वहां भीड़ एकत्र हो गई और स्वयं को भीड़ से घिरा पाकर यह बदमाश हवाई फायर करते हुए वहां से भाग गए। इस दौरान बदमाशों की मोटरसाइकिल और बैग वहीं छूट गया।

कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि एसओजी देहात और पुलिस की अलग–अलग टीमें बदमाशों की तलाश के लिए गठित की गई। मंगलवार को जब गठित पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश के लिए खदरी तिराहा श्यामपुर के पास चेकिंग कर रही थी तो मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि तीन–चार व्यक्ति मनसा देवी क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में घूम रहे हैं।

सीएम धामी ने ई विकास संवाद में प्रतिभाग किया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बलवीर रोड स्थित भाजपा कार्यालय में ई विकास संवाद "विकास की बात बूथ के साथ" अंतर्गत प्रदेश में विकास के बढ़ते कदम विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

आशा कार्यकर्त्ताओं का सीएम आवास कूच, पुलिस नें रोका; नोक–झोंक

संवाददाता देहरादून। सीटू से संबद्ध आशा कार्यकत्री यूनियन से जुड़ी आशा कार्यकर्त्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर सीएम आवास कूच किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें हाथीबडकला में बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया, जिस पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। उसके बाद आशा कार्यकर्त्ता बैरिकेडिंग के पास ही धरने पर बैठ गईं।

संगठन की प्रदेश अध्यक्ष शिवा दुबे ने कहा कि सरकार आशा कार्यकर्ताओं से बहुत सारे काम ले रही है, लेकिन तीन साल से केंद्र व राज्य सरकार ने मासिक मानदेय में बढ़ोतरी नहीं की है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आशाओं को 10 हजार रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की थी। पर, इस पर भी अमल नहीं किया गया। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारियों की भांति समस्त सुविधा व मानदेय देने, स्वास्थ्य बीमा की परिधि में लाने, कार्य के दौरान मृत्यु होने पर आशा के परिवार को 50 लाख का बीमा और बीमार होने पर 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा, कोरोना काल में घर–घर जाकर अपनी जान जोखिम में डाल रहीं आशा कर्यकर्ता को सुरक्षा उपकरण और फ्रंटलाइन वर्कर की भांति सम्मान व मानदेय, 45 व 46 वें श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने की मांग दोहराई। आशाओं के सीएम आवास कूच के चलते राजपुर रोड पर काफी देर जाम की स्थिति रही। दिलाराम चौक से घंटाघर तक वाहनों की लंबी कतार लग गयी। इसके अलावा हाथीबड़कला में भी ट्रैफिक सर्वे एस्टेट, नया गांव से डायवर्ट किया गया। इसके चलते जन सामान्य को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कोरोना के बाद स्कूली शिक्षा के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा

संवाददाता देहरादून। कोरोना के बाद पढ़ाने ओर सीखने की बदलते स्वरूप को देखते हए दुनिया भर के विशेषज्ञों ने तकनीकी संचालित शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के तरीकों और साधनों की खोज की आवश्यकता पर बल दिया। 8वें ओसवाल बुक्स एजुकेशन कॉन्कलेव में शिक्षा, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान के विशेषज्ञों ने कहा कि कोरोना ने लोगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं । सभी लोगों शिक्षा की गुणवत्ता और उसके डिजाइन से समझौता नहीं कर सकते । हमलोगों को उसकी रणनीतियों और प्रक्रियाओं पर फिर से विचार करने की जरूरत थी। हम लोगों को उससे समझौता इस सम्मेलन में भारत, मैक्सिको, शिकागो, यूनाइटेड किंगडम के विशेषज्ञों ने भाग लिया। वैश्विक स्तर पर शिक्षा पर महामारी के प्रभाव के बारे में बात करते हुए यूनाइटेड किंगडम के बाथ के डिप्टी मेयर और शिक्षाविद् डॉ युक्तेश्वर कुमार ने कहा, महामारी शिक्षा क्षेत्र के लिए विनाशकारी साबित हुई।